संस्कृति मंत्रालय

मांग संख्या 19

संस्कृति मंत्रालय

क. वसूलियों को घटाने के बाद बजट आवंटन इस प्रकार हैं :

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2009-2010			संशोधित 2009-2010			बजट 2010-2011		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व		663.90	576.00	1239.90	584.90	624.00	1208.90	692.00	503.00	1195.00
पूंजी		*36.10*	*...*	*36.10*	*45.10*	*...*	*45.10*	*43.00*	*...*	*43.00*
जोड़		**700.00**	**576.00**	**1276.00**	**630.00**	**624.00**	**1254.00**	**735.00**	**503.00**	**1238.00**
1. सचिवालय-सामाजिक सेवाएं	2251	3.40	19.00	22.40	2.80	18.64	21.44	3.40	16.95	20.35
कला और संस्कृति										
कला और संस्कृति का संवर्धन										
2. क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र	2205	14.00	...	14.00	12.75	...	12.75	14.00	...	14.00
3. संगीत नाटक अकादमी	2205	11.50	8.30	19.80	12.20	8.91	21.11	11.50	7.10	18.60
4. ललित कला अकादमी	2205	6.00	5.80	11.80	4.85	6.58	11.43	7.00	6.15	13.15
5. साहित्य अकादमी	2205	10.50	6.00	16.50	6.30	7.39	13.69	10.50	6.30	16.80
6. भारत महोत्सव	2205	...	4.10	4.10	...	3.86	3.86	...	4.10	4.10
7. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	2205	25.00	...	25.00	25.00	...	25.00	25.00	...	25.00
8. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	2205	13.00	7.60	20.60	12.55	7.91	20.46	13.00	6.80	19.80
9. राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा	2205	7.00	3.80	10.80	5.30	3.90	9.20	7.00	3.85	10.85
10. एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता	2205	21.00	7.60	28.60	10.50	8.84	19.34	8.00	7.70	15.70
11. सांस्कृतिक संसाधन एवम् प्रशिक्षण केन्द्र	2205	10.00	2.95	12.95	13.90	3.07	16.97	10.00	3.13	13.13
12. नृत्य, नाटक और नाट्यशाला केन्द्र	2205	16.00	1.50	17.50	24.50	1.42	25.92	25.00	1.55	26.55
13. गांधी शान्ति पुरस्कार	2205	...	1.50	1.50	...	1.48	1.48	...	1.55	1.55
14. राष्ट्रीय संस्कृति कोष	2205	0.50	...	0.50	0.01	...	0.01	0.01	...	0.01
15. शताब्दी/वर्षगांठ समारोह										
15.01 लाल बहादुर शास्त्री का जन्म शताब्दी समारोह	2205	...	0.21	0.21	...	0.20	0.20	2.00	0.05	2.05
15.02 प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857 की 150वीं वर्षगांठ समारोह	2205	...	10.00	10.00	...	9.50	9.50	10.00	1.00	11.00
15.03 महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण का 2550वीं वर्षगांठ समारोह	2205	...	0.50	0.50	...	0.47	0.47	...	0.45	0.45
15.04 खालसा विरासत परियोजना हेतु वित्तीय सहायता	2205	11.50	...	11.50	7.00	...	7.00	8.00	...	8.00
	जोड़	*11.50*	*10.71*	*22.21*	*7.00*	*10.17*	*17.17*	*20.00*	*1.50*	*21.50*
16. अन्य	2205	80.68	86.81	167.49	66.57	83.99	150.56	130.55	35.96	166.51
जोड़-कला और संस्कृति का संवर्धन, पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय		*226.68*	*146.67*	*373.35*	*201.43*	*147.52*	*348.95*	*281.56*	*85.69*	*367.25*
17. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	2205	111.00	267.70	378.70	127.00	299.11	426.11	121.00*	259.90	380.90
	3601	...	1.00	1.00	...	0.09	0.09	...	0.10	0.10
	जोड़	*111.00*	*268.70*	*379.70*	*127.00*	*299.20*	*426.20*	*121.00*	*260.00*	*381.00*
18. भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार	2205	3.75	16.00	19.75	3.30	15.77	19.07	4.55	14.50	19.05
	3601	0.65	...	0.65	0.40	...	0.40	0.40	...	0.40
	3602	0.10	...	0.10	0.05	...	0.05	0.05	...	0.05
	जोड़	*4.50*	*16.00*	*20.50*	*3.75*	*15.77*	*19.52*	*5.00*	*14.50*	*19.50*
19. राष्ट्रीय संग्रहालय	2205	10.00	8.92	18.92	7.50	8.74	16.24	10.00	7.75	17.75
20. राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद	2205	20.00	23.50	43.50	18.20	34.92	53.12	21.00	24.25	45.25
21. विज्ञान नगर	2205	19.28	...	19.28	9.30	...	9.30	12.00	...	12.00
22. भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	2205	10.50	16.00	26.50	9.75	18.69	28.44	10.50	16.25	26.75
23. नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली	2205	4.00	9.20	13.20	9.80	10.33	20.13	5.26	9.30	14.56
24. भारतीय संग्रहालय, कोलकाता	2205	29.00	6.25	35.25	9.50	6.19	15.69	12.00	5.95	17.95
25. सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद	2205	15.00	8.40	23.40	14.80	8.84	23.64	10.00	8.45	18.45
26. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल	2205	9.50	3.00	12.50	8.45	2.91	11.36	9.50	2.90	12.40
27. अन्य कार्यक्रम	2205	54.84	8.83	63.67	31.72	9.77	41.49	40.63	8.84	49.47
जोड़-पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय		**287.62**	**368.80**	**656.42**	**249.77**	**415.36**	**665.13**	**256.89**	**358.19**	**615.08**

http://indiabudget.nic.in

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2009-2010 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	संशोधित 2009-2010 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	बजट 2010-2011 आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
पुस्तकालय										
28. राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता	2205	18.50	21.00	39.50	14.65	20.63	35.28	15.00	21.50	36.50
29. दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी	2205	4.00	10.65	14.65	5.80	11.58	17.38	5.00	10.70	15.70
30. राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी	2205	28.50	3.00	31.50	31.50	3.15	34.65	30.00	2.90	32.90
31. अन्य पुस्तकालय	2205	23.00	6.23	29.23	14.45	6.50	20.95	25.85	6.42	32.27
	3601	2.20	0.65	2.85	1.50	0.62	2.12	0.80	0.65	1.45
	जोड़	*25.20*	*6.88*	*32.08*	*15.95*	*7.12*	*23.07*	*26.65*	*7.07*	*33.72*
जोड़-पुस्तकालय		**76.20**	**41.53**	**117.73**	**67.90**	**42.48**	**110.38**	**76.65**	**42.17**	**118.82**
पूर्वोत्तर क्षेत्र										
32. पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा सिक्किम के लाभार्थ परियोजनाओं/योजनाओं हेतु प्रावधान										
32.01 कला और संस्कृति संवर्धन हेतु परियोजनाएं/योजनाएं	2552	47.59	...	47.59	44.30	...	44.30	53.24	...	53.24
32.02 पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय	2552	17.81	...	17.81	14.47	...	14.47	15.66	...	15.66
32.03 पुस्तकालय	2552	4.60	...	4.60	4.23	...	4.23	4.60	...	4.60
	जोड़	70.00	...	70.00	63.00	...	63.00	73.50	...	73.50
33. संस्कृति मंत्रालय द्वारा संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की परियोजनाओं का निर्माण	4202	36.10	...	36.10	45.10	...	45.10	43.00	...	43.00
जोड़-कला और संस्कृति		**696.60**	**557.00**	**1253.60**	**627.20**	**605.36**	**1232.56**	**731.60**	**486.05**	**1217.65**
	कुल जोड़	***700.00***	***576.00***	***1276.00***	***630.00***	***624.00***	***1254.00***	***735.00***	***503.00***	***1238.00***
* इसमें 8.00 करोड़ रुपए ईएपी घटक के रूप में है।										
ग. आयोजना परिव्यय	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
	22205	626.60	...	626.60	564.20	...	564.20	658.10	...	658.10
1. कला और संस्कृति	22251	3.40	...	3.40	2.80	...	2.80	3.40	...	3.40
2. सचिवालय-सामाजिक सेवाएं	22552	70.00	...	70.00	63.00	...	63.00	73.50	...	73.50
3. पूर्वोत्तर क्षेत्र	**जोड़**	**700.00**	**...**	**700.00**	**630.00**	**...**	**630.00**	**735.00**	**...**	**735.00**

1. सचिवालय सामाजिक सेवा : (i) इस शीर्ष के तहत मंत्रालय के सचिवालय पर वेतन एवं संबद्ध मदों पर होने वाले व्यय का प्रावधान है। इस व्यय में मंत्रालय में आधुनिकीकरण तथा सूचना प्रौद्योगिकी विकास के अंतर्गत स्कीमें तथा केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार के लिए व्यय भी शामिल है।

(ii) **केन्द्रीय सचिवालय ग्रन्थागार (सी एस एल) :** केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सी एस एल), संस्कृति मंत्रालय विशेष रूप से क्षेत्रीय अध्ययन तथा भारतीय सरकारी प्रलेखों के सन्दर्भ में सरकार का सबसे बडा पुस्तकालय है। सीएसएस काम्प्लेक्स के संग्रहण तारीख के अनुसार, केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार परिसर में लगभग 7.05 लाख पुस्तकों का संग्रह है। के0 स0 ग्रं0 की सामग्रियों की ग्रंथसूची सम्बन्धी विवरण मशीन पठनीय फारमेट में उपलब्ध है। 1950 से 2008 तक भारत सरकार के प्रलेखों के 18 लाख 75 हजार डिजिटल पृष्ठ प्रयोक्ताओं के लिए उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, के0 स0 ग्रं0 की सामग्रियों के अनुसार, समिति तथा आयोग रिपोर्टों के 12 लाख पृष्ठ के डिजिटाइज्ड आंकडे भी ऑन लाइन पर उपलब्ध हैं। संदर्भ स्रोत संग्रह युक्त सुसज्जित पठन-हॉल, प्रयोक्ताओं के लिए उपलब्ध है। के0 स0 ग्रं0 में कार्यालय बैठकें आयोजित करने के लिए सुसज्जित मीडियम सम्मेलन कक्ष है तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संचालन आदि के लिए कम्प्यूटर कक्ष भी उपलब्ध है।

2. **क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र :** क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों की परिकल्पना सांस्कृतिक संबंधों, जो क्षेत्रीय सीमाओं से आगे फैल गए है, के प्रसार के उद्देश्य से की गई है। इस अवधारणा का उद्देश्य स्थानीय संस्कृतियों की जागरूकता पैदा करना तथा उसे और बढाना और साथ ही यह दर्शाना है कि ये किस तरह क्षेत्रीय पहचान में और अन्ततः भारत की सामासिक संस्कृति की समृद्ध विविधता में मिल जाती है। इन केन्द्रों ने पहले ही स्वयं को समग्र देश में संस्कृति के संवर्धन, परिरक्षण और प्रसार के क्षेत्र में एक प्रमुख एजेंसी के रूप में स्थापित कर लिया हैं। मंच कलाओं के संवर्धन के अलावा, ये साहित्यिक तथा दृश्य कलाओं के सम्बद्ध क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, शिल्पकारों को बढावा देने तथा विपणन सुविधाएं प्रदान करने और लुप्त हो रहे लोक कलारूपों के प्रलेखन हेतु शिल्पग्रामों जैसे प्रमुख कार्यकलापों में लगे हैं।

मंत्रालय द्वारा स्थापित सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र हैं :- (i) उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, पटियाला; (ii) पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, कोलकाता; (iii) दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, तंजावूर; (iv) पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर; (v) उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहाबाद; (vi) उत्तर पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, दीमापुर; (vii) दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर;। विभिन्न राज्यों द्वारा उनके सांस्कृतिक संबंधों के अनुरूप एक क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र से अधिक में उनकी भागीदारी इन क्षेत्रीय केन्द्रों के स्वरूप की एक अलग विशेषता है।

3. संगीत नाटक अकादमी : संगीत नाटक अकादमी की स्थापना मंच कलाओं के संवर्धन के उद्देश्य से 1953 में की गई थी। यह अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य और नाटक के संवर्धन एवं विकास; मंच कलाओं में प्रशिक्षण के मानकों के अनुरक्षण; संगीत नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्रियों को पुनर्जीवित करने, उनके परिरक्षण, प्रलेखन तथा प्रसार और उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मानित करने के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है।

4. ललित कला अकादमी : ललित कला अकादमी सृजनात्मक दृश्य कलाओं के क्षेत्र में कार्यकलापों के सम्पोषण तथा समन्वय और देश की सांस्कृतिक एकता का संवर्धन करने वाला एक राष्ट्रीय संगठन है।

5. साहित्य अकादमी : साहित्य अकादमी की स्थापना भारतीय साहित्य के विकास तथा सभी भारतीय भाषाओं में साहित्यिक कार्यकलापों के सम्पोषण और समन्वय हेतु उच्च साहित्यिक मानक निर्धारित करने और उनके माध्यम से देश की सांस्कृतिक एकता को बढावा देने के उद्देश्य से की गई है।

6. भारत महोत्सव : विदेशों में भारत महोत्सव तथा पारस्परिक आधार पर अन्य देशों के महोत्सवों को भारत में आयोजित करने की शुरूआत 1982 में की गई थी जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और समकालीन सृजनात्मकता को विदेशों में प्रसारित करने तथा साथ ही एक-दूसरे के देशों की निरन्तरता तथा परिवर्तन की गतिशीलता, परम्परा तथा आधुनिकता, मूल्यों और बोध की बेहतर समझ व्यापक तरीके से विकसित करने के लिए भारत के लोगों

http://indiabudget.nic.in

को दूसरे देश के जीवन, परम्परा तथा संस्कृति के दृश्य को वृहत् रूप में प्रस्तुत करना है। इसके अलावा, ये महोत्सव भारतीय संस्कृति और परम्पराओं को बढावा देने के साथ-साथ लोगों को भारत में विभिन्न पर्यटन स्थलों तथा भारतीय संस्कृति के बहुरूपों से परिचित करवा कर विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। भारत महोत्सव अभी तक यू के, यू एस ए, जापान, स्वीडन, जर्मनी, चीन तथा थाइलैण्ड में आयोजित किए गए हैं। भारत में फ्रांस, सोवियत रूस, जापान, स्वीडन, चीन तथा जर्मनी के महोत्सव पारस्परिक आधार पर आयोजित किए गए।

7. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए) : आई जी एन सी ए की स्थापना एक स्वायत्त न्यास के रूप में 1987 में की गई थी। यह एक ऐसा केन्द्र है जो ऐसे सभी कला रूपों के अध्ययन तथा अनुभव को समाहित करने के लिए स्थापित किया गया है, जो अपनी अलग पहचान होते हुए एक-दूसरे से जुडे हैं। आई जी एन सी ए का प्रयास संसाधन सामग्री के संग्रह तथा कला और मानविकी, विज्ञान की शाखाओं में परस्पर संबंध, शारीरिक तथा भौतिकी सैद्धान्तिकी, मानव विज्ञान और समाजशास्त्र के क्षेत्र में मूल अनुसंधान के अपने कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान करना है। केन्द्र के शैक्षिक कार्यक्रम के संचालन तथा प्रशासनिक व्यय को पूरा करने के लिए निधियां अक्षय (कार्पस) निधि से प्राप्त ब्याज से जुटाई जाती हैं। केन्द्र को परियोजनाओं तथा इसके भवन निर्माण कार्यक्रमों के लिए भी निधियां प्रदान की गई हैं।

8. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एन एस डी) : एन एस डी की स्थापना, प्रशिक्षण प्रदान करने और देश में नाट्य कला का प्रचार करने के लिए 1959 में की गई थी ।

9. राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एन जी एम ए), नई दिल्ली : 1954 में स्थापित राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एन जी एम ए) एक अद्वितीय संस्था है, जो पिछली शताब्दी से भारत में दृश्य कलाओं में हुए उद्विकास और सचित्र परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। एन जी एम ए के मुख्य उद्देश्य भारतीय जनता में सामान्य रूप से दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति समझ और संवेदनशीलता को उत्पन्न करना है और विशेषतया समकालीन भारतीय कला के विकास को बढावा देना है। एन जी एम ए, मुंबई में जहांगीर पब्लिक हॉल में एक कार्यात्मक शाखा और बंगलौर में एक और शाखा संचालित करता है।

प्राथमिक रूप से खरीद और उपहारों के माध्यम से निर्मित एन जी एम ए के संग्रह में 1857 के समय के 17,813 चित्र, मूर्तियां, रेखाचित्र और फोटोग्राफ हैं और यह पूरे देश के लगभग 1742 समकालीन कलाकारों का प्रतिनिधित्व करता है।

10. एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता : एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना 1784 में सर विलियम जोंस ने की। यह एक अद्वितीय संस्थान है, जिसने सभी साहित्यिक और वैज्ञानिक कार्यकलापों के मूलस्रोत के रूप में सेवा प्रदान की है। सरकार ने इसे राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया है।

11. सांस्कृतिक स्रोत और प्रशिक्षण केन्द्र (सी सी आर टी) : सी सी आर टी संस्कृति को शिक्षा से जोड़ने के लिए एक स्वायत्त संगठन है। यह केन्द्र सांस्कृतिक विषय-वस्तु के साथ भारतीय शैक्षिक प्रणाली को समृद्ध बनाने के विशिष्ट उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता है।

12. नृत्य, नाटक और मंडलियों को सहायता : इस योजना के अंतर्गत, प्रतिष्ठित स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों को देश की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए वेतन अनुदान और निर्माण (प्रोडक्शन) अनुदान के रूप में सहायता दी जाती है।

13. गांधी शांति पुरस्कार : 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं वर्षगॉठ मनाने के भाग के तौर पर भारत सरकार ने अंहिसा और अन्य गॉधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवर्तन के लिए एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय गॉधी शांति पुरस्कार आरंभ करने की घोषणा की थी। यह पुरस्कार भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक निर्णायक मण्डल (जूरी) द्वारा चुने गए व्यक्ति को दिया जाता है। इस पुरस्कार में 1.00 करोड़ रू. या विदेशी मुद्रा में इसके बराबर की धनराशि, एक पट्टिका और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाते हैं।

14. राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एन सी एफ) : धर्मस्व निधि अधिनियम, 1890 के अंतर्गत स्थापित एन सी एफ का उद्देश्य संस्कृति संबंधित प्रयासों के लिए राज्य सरकारों, सांविधिक निकायों, निजी निगमित क्षेत्र, सोसाइटियों, व्यक्तियों और यहॉ तक कि संयुक्त राष्ट्र और इसके सहयोगी निकायों से वित्तीय सहायता प्राप्त करना है। एन सी एफ, स्मारकों के परिरक्षण और इस प्रकार सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन के क्षेत्र में निजी भागीदारी, विशेष निगमित क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

15. शताब्दी एवं वर्षगॉठ समारोह :-

15.01 लाल बहादुर शास्त्री की जन्म शताब्दी मनाना -

लाल बहादुर शास्त्री शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में मंदा गॉव (उ. प्र.) में पॉलीटेक्नीक और सोलसिंदा (एम. पी.) में महिला पॉलीटेक्नीक संस्थान के निर्माण तथा इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड ऐनालिसिस (आई डी एस ए) में श्री लाल बहादुर शास्त्री पीठ की स्थापना पर होने वाले व्यय को पूर्ण करने के लिए निधियॉ प्रदान की गई हैं।

15.02 **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857 का 150वां वर्षगॉठ समारोह :** प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, 1857 की 150वीं वर्षगॉठ मनाने के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के अनुमोदन से मंत्रियों के समूह का गठन किया गया है। इसे समारोह को उपयुक्त ढंग से वर्ष 2007-08 और 2008-09 के दौरान मनाने के लिए प्रावधान किया गया है। इन कार्यक्रमों को 2009-10 और 2010-11 के दौरान जारी रखने का प्रस्ताव है।

15.03 **भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण की 2550वीं वर्षगांठ मनाना**

भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण का 2550 वॉ वर्ष मनाने के संबंध में कार्यक्रमों को तैयार करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय समिति का गठन किया गया है। संस्मारक समारोहों के लिए निधियॉ प्रदान की गई हैं।

15.04 **खालसा विरासत परियोजना के लिए वित्तीय सहायता**

आनंदपुर में खालसा के जन्म के 300 वर्ष मनाने के लिए पंजाब सरकार ने वर्ष 1999 में खालसा विरासत परिसर परियोजना की परिकल्पना की थी। वर्ष 1999-2000 में खालसा के जन्म की त्रै-शताब्दी समारोह के लिए केन्द्र सरकार ने 100 करोड़ रू. के अनुदान की घोषणा की थी।

16 अन्य : अन्य मे केंद्रीय उच्चतर तिब्बती अध्ययन संस्थान, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, गॉधी स्मृति और दर्शन समिति, नव नालंदा महाविरा, मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान तथा मंच, साहित्य एवं दृश्य कलाओं के क्षेत्र में कलाकारों (प्रतिभाशाली कलाकारों को अध्येतावृति) को छात्रवृत्तियॉ प्रदान करना, कला में निष्णात व्यक्तियों को सहायता, राष्ट्रीय कलाकार कल्याण निधि सृजित करना, जनजातीय/लोक कलाओं के लिए वित्तीय सहायता, हिमालयी कलाओं के लिए वित्तीय सहायता, बौद्ध/तिब्बती संस्थाओं के लिए वित्तीय सहायता, शताब्दी एवं वर्षगांठ समारोह, (गुरू रबिन्द्र नाथ टैगोर और स्वामी विवेकानंद की 150वीं जन्म वर्षगांठ समारोह), राष्ट्रीय स्मारकों का रखरखाव (सरदार बल्लभ भाई पटेल स्मारक का विकास और राजेन्द्र प्रसाद स्मारक का विकास और अनुरक्षण, राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन), दांडी विरासत गलियारा (कोरिडोर), दांडी में स्मारक निर्माण एवं गुरू-ता-गद्दी के लिए वित्तीय सहायता, सांस्कृतिक संगठनों के लिए भवन अनुदान, राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता (भारत में सांस्कृतिक संगठन द्व आर. के. मिशन को सहायता), एशियाटिक सोसाइटी, मुंबई, सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए स्वैच्छिक संगठनों को अनुसंधान सहायता हेतु वित्तीय सहायता (सांस्कृतिक संगठनों का विकास) तवांग मठ और तिब्बत हाउस शामिल हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, अन्य स्कीमें जैसे, जलियॉवाला बाग स्मारक, एशियाटिक सोसाइटी, मुंबई का विकास, अमूर्त विरासत के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु सहायता, अमूर्त विरासत और सांस्कृतिक विविधता के क्षेत्र में सुरक्षा तथा अन्य संरक्षक उपायों (युनेस्को सम्मेलन से उत्पन्न) की स्कीम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आई पी आर) के क्षेत्र में जागरूकता उत्पन्न करना और सृजनशील कलाकारों और शिल्पियों के लिए एक राष्ट्रीय आई पी आर प्रकोष्ठ की स्थापना करना, भारतीय संस्कृति और विरासत के विषय मे जागरूकता के संवर्धन और प्रसार के लिए योजना स्कीम सांस्कृतिक विरासत स्वयंसेवक स्कीम (सी एच वी), सांस्कृतिक उद्योगों के लिए पायलट स्कीम, सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन केन्द्र और विदेश में भारतीय साहित्य के लिए स्कीम वर्ष 2010-11 के दौरान निष्पादन कला के कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय केन्द्र का गठन किया जाएगा।

17 भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए. एस. आई.) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की स्थापना देश में पुरातत्व-विषयक अवशेषों के सर्वेक्षण और उनके अध्ययन के मूल उद्देश्य से वर्ष 1861 में की गई थी। ए एस आई संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है। इसके मुख्य कार्य हैं :- विश्व विरासत स्मारकों तथा पुरावशेषों सहित केन्द्रीय रूप से संरक्षित स्मारकों और स्थलों का परिरक्षण और पर्यावरणीय विकास, केन्द्रीकृत रूप से संरक्षित स्मारकों तथा स्थलों के आस-पास बागीचों का रख-रखाव तथा नए बागीचों का विकास, प्राचीन स्थलों का अन्वेषण और उत्खनन, उत्कीर्णों और भारतीय वास्तुकला के विभिन्न चरणों का विशेष अध्ययन, पुरातत्व संग्रहालयों का अनुरक्षण, पुरावस्तु और कलाकोश अधिनियम, 1972 का

http://indiabudget.nic.in

कार्यान्वयन तथा पुरातत्व के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रशिक्षण। प्रागैतिहासिक प्रस्तर युगीन स्थलों, मन्दिर, मस्जिदों, गिरिजाघरों तथा किलों सहित सर्वेक्षण के 3675 केन्द्रीकृत रूप से संरक्षित स्मारक हैं। बाह्य रूप से सहायता प्राप्त परियोजना ''अजंता-एलोरा संरक्षण एवं पर्यटन विकास परियोजना'' के लिए 8.00 करोड़ रू. का प्रावधान भी शामिल किया गया है। राष्ट्रमण्डल खेल द्व 2010 के सिलसिले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने दिल्ली में विशेष मरम्मत कार्य और उन्नयन कार्य करने के लिए 46 स्मारकों का चयन किया है ताकि देश की छवि को बेहतर रूप में प्रस्तुत किया जा सके। ए एस आई में राष्ट्रीय स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन भी शुरू किया गया है।

18. **भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार :** संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों से संबंधित स्थायी मूल्य के प्राचीन अभिलेखों का केन्द्रीय संग्रह है। यह प्रख्यात भारतीयों के निजी दस्तावेज तथा विदेश से भारतीय हित के अभिलेखों की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अर्जन और परिरक्षण करता है। यह ऐतिहासिक खोज हेतु सुविधाएं प्रदान करता है तथा अभिलेखीय अध्ययन विद्यालय, जो इस क्षेत्र में अनेक पाठ्यक्रम चलाता है, के माध्यम से वैज्ञानिक तरीकों पर देश में अभिलेखीय देख-रेख का संवर्धन करता है। भोपाल में इसका क्षेत्रीय कार्यालय है तथा जयपुर, पांडिचेरी और भुवनेश्वर में इसके अभिलेख केन्द्र हैं।

19. **राष्ट्रीय संग्रहालय :** वर्ष 1949 में स्थापित राष्ट्रीय संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय है। संग्रहालय के मुख्य कार्यकलापों में शामिल हैं (i) कला और संस्कृति पर प्रकाशन निकालना; (ii) कला वस्तुओं का अर्जन और संरक्षण; (iii) प्रदर्शनियों का आयोजन; (iv) भारतीय मूर्तिकला की श्रेष्ठ कृतियों के प्रतिरूप तैयार करना (v) दृश्य-श्रव्य और अन्य शैक्षिक कार्यक्रम, जिसमें आऊटरीच कार्यक्रम शामिल है।

20. राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एन सी एस एम): राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद मुख्यतः, विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियों आदि के लिए प्रदर्शनियॉ और सेमिनार, आयोजित करके विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने में कार्यरत है। कोलकता, बैंगलोर, मुंबई और दिल्ली में परिषद के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय/केन्द्र हैं; इसके अलावा, कुछ अन्य जगहों पर 26 लधु केन्द्र भी है। 26 विज्ञान संग्रहालय में से 6 राष्ट्रीय स्तर के, 11 क्षेत्रीय स्तर के और 9 उप-क्षेत्रीय/जिला स्तर के हैं।

21. विज्ञान शहर : विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास और वैज्ञानिक अभिवृत्ति तथा प्रकृति का विकास करने के विचार से उद्योग, मानव कल्याण और पर्यावरण में उनके अनुप्रयोग को प्रस्तुत करने तथा लोगों में आम जागरूकता उत्पन्न करने, उसका आत्मसात करने और सम्पोषण के लिए विज्ञान शहरों की स्थापना की गई थी।

22. भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण : भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण की स्थापना वर्ष 1945 में की गई थी। यह भारत की जनसंख्या के संबंध में जैव-सांस्कृतिक खोज/अनुसंधान संचालित करता है, भारतीय जनता के बारे में वैज्ञानिक महत्व के दस्तावेजों का संग्रह और परिरक्षण करता है। सर्वेक्षण अपने मानव विज्ञान अनुसंधान के माध्यम से देश की जैविक, सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत के संबंध में योगदान देता है। वर्तमान में, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, इस देश में मानव कल्याण के लिए उनका लाभ प्राप्त करने के लिए पूरे विश्व में बुनियादी विकास और तकनीकी परिवर्तनों से स्वयं को सज्जित करने के लिए पुनअर्नुकूलन की स्थिति में है।

23. नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली : यह संग्रहालय पुस्तकों, समाचार-पत्रों, अप्रकाशित संदर्भो, निजी दस्तावजों, फोटोग्राफों, फिल्म दृश्यों के संग्रह और पंडित जवाहर लाल नेहरू से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अनुवाद का कार्य करता है। यह आधुनिक भारत के राष्ट्रीय नेताओं के दस्तावेजों के परिरक्षण के कार्य के लिए भी उत्तरदायी है।

24. भारतीय संग्रहालय, कोलकाता : भारतीय संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय का एक स्वायत्त संगठन, होने के साथ-साथ दीर्घाओं के पुनर्गठन और जीर्णोद्धार तथा नृजातीय नमूने और तकनीकी- सामाजिक एवं आर्थिक सांस्कृतिक डाटा प्राप्त करने का कार्य भी कर रहा है। इसके अंदर पुरावस्तुओं, चित्रों अन्य कलावस्तुओं और मूर्ति के प्राचीन संग्रह की बहुत बड़ी संख्या मौजूद है।

25. सालारजंग संग्रहालय : सालारजंग संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है। यह ऐतिहासिक महत्व की कलावस्तुओं के संरक्षण, परिरक्षण, अर्जन तथा शैक्षिक कार्यकलापों जैसे प्रदर्शनियों, लोकप्रिय व्याख्यानों, दीर्घा चर्चाओं, सेमिनारों आदि में लगा हुआ है।

26. इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आई जी आर एम एस), भोपाल: आई जी आर एम एस, संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है। आई जी आर एम एस की एक विकासशील आन्दोलन ने रूप में परिकल्पना की गई है, जिसका उद्देश्य भारत के विशेष संदर्भ में मानव के जैव एवं सांस्कृतिक विकास को दर्शाते हुए काल और स्थान में मानव जाति के इतिहास को चित्रित करना तथा देश के जीवन्त संग्रहालय को उसकी संस्कृतियों के विविध रूप तथा सामुदायिक ज्ञान प्रणालियों को पुनः अनुप्रमाणित करना है। इसे सामान्य मानव विज्ञान के इर्द- गिर्द इसके सांस्कृतिक विषय के रूप में विकसित किया जा रहा है और इसका प्रयास (1) गहन वीथियों वाले (इन्डोर) संग्रहालय (2) मुक्ताकाश प्रदर्शनी वाले बाह्य (आउटडोर) परिसर स्थापित करके अपना लक्ष्य प्राप्त करना है।

27. अन्य कार्यक्रम : यह कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, जो एक स्वायत्तशासी संगठन है तथा स्वतंत्रता संग्राम के कला इतिहास को दर्शाने वाली कालावधि से सम्बंधित समकालीन कला का एक निधान है, के लिए प्रावधान करता है। सांस्कृतिक सम्पदा के संरक्षण के तरीकों में अनुसंधान करने, संग्रहालयों, पुरातात्विक विभागों और अन्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए वर्ष 1976 में राष्ट्रीय सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, जो एक अधीनस्थ कार्यालय है, की स्थापना की गई । इन दोनों के अतिरिक्त अन्य संस्थाओं/स्कीम में इलाहाबाद संग्रहालय, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, स्थानीय संग्रहालयों का संवर्धन और सुदृढ़ीकरण और महानगरों में संग्रहालयों के आधुनिकीकरण की नई स्कीम शुरू की गई है।

28. राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता : यह ऐसी सभी पठनीय और सूचनाप्रद सामग्रियों के एक प्रमुख निधान के रूप में कार्य करता है जो भारत में तथा भारत के संबंध में विदेशों में तैयार की गई। इसके पास फारसी, संस्कृत, अरबी और तमिल पांडुलिपियों तथा दुर्लभ पुस्तकों का भी एक समृद्ध है। यह पुस्तक एवं समाचार-पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) वितरण अधिनियम, 1954 के अंतर्गत आदाता पुस्तकालय है तथा दक्षिण एशिया का निधान पुस्तकालय है।

29. दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी (डी पी एल) : 1951 में स्थापित यह पुस्तकालय, दिल्ली के नागरिकों को निःशुल्क पुस्तकालय सेवाएँ उपलब्ध कराता आ रहा है। यह पुस्तक एवं समाचार-पत्र (सार्वजनिक पुस्तकालय) वितरण अधिनियम, 1954 के अंतर्गत एक आदाता पुस्तकालय है।

30. राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता : 1972 में स्थापित इस प्रतिष्ठान का उद्देश्य पर्याप्त पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान कर तथा देश में पढ़ने की आदत का विकास कर देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन का प्रचार- प्रसार और सहायता करना है।

31. अन्य पुस्तकालय : इनमें केन्द्रीय सन्दर्भ पुस्तकालय, कोलकाता; केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई; पटना स्थित खुदा बख्श ओरएन्टिल सार्वजनिक पुस्तकालय, जो लगभग 100 वर्ष पुराना है तथा जिसके पास पुरानी और दुर्लभ पुस्तकों और पाण्डुलिपियों का एक समृद्ध संग्रह है, रामपुर रजा पुस्तकालय, तंजावुर महाराजा सरफोजी की सरस्वती महल पुस्तकालय सोसायटी, तंजावुर, तथा कोन्नेमेरा पुस्तकालय, चेन्नई आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय पांडुलिपि परिरक्षण मिशन, राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन की स्थापना, जो आगे चलकर आयोग का रूप लेगा, दृश्य-श्रव्य वस्तुओं के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार का भी शामिल किया गया है।

32. पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम के परियोजनाओं/स्कीमों के लिए प्रावधान: पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम द्वारा विभिन्न संगठनों/स्कीमों द्वारा परियोजनाओं/स्कीम के कार्यान्वयन के लिए प्रावधान का उपयोग किया गया है।

33. भवन परियोजना : मंत्रालय के संबंद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के भवन परियोजनाओं के लिए प्रावधान किया गया है।

http://indiabudget.nic.in